जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 271 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 24 अप्रैल, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी को रद्द किया

भारत के विदेश मंत्रालय ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में हुए इस अहम् फैसले की जानकारी दी

- पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में इंडस वॉटर ट्रीटी रद्द करने की मांग जोर-शोर से उठी थी।
- इस संधि के तहत पूर्वी भाग की रावी व्यास और सतलुज नदियों पर भारत का नियंत्रण है, तो सिंधु, झेलम और चिनाब पर पाकिस्तान का नियंत्रण है।
- पाकिस्तान का अस्तित्व एक तरह से इस संधि पर निर्भर है। पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था इसी के सहारे जीवित है।
- गौरतलब है कि 1960 में विश्व बैंक ने भारत व पाकिस्तान के बीच यह संधि करवाई थी और यह दो परस्पर विरोधी पड़ौसी देशों के बीच सहयोग का दुर्लभ उदाहरण मानी जाती रही है। तीन युद्धों व दशकों से पाकिस्तान द्वारा भारत में किए जा रहे आतंकी हमलों के बावजूद यह संधि कायम रही।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी (आई.डब्ल्यू.टी.) को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है और पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियाँ खत्म होने तक यह रोक जारी रहेगी। इसी के साथ कई अन्य कदम भी उठाए गए हैं, जिनमें वाघा-अटारी चैक पोस्ट बंद करने। पाकिस्तानियों का वीसा रद्द करना आदि शामिल है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसे कथित रूप से पाकिस्तान के आतंकी गुटों ने अंजाम दिया है, के बाद से भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में फिर से यह बात उठने लगी कि भारत को इंडस वॉटर ट्रीटी को निलम्बित कर देना चाहिए। यह अपील कथित रूप से पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने की है, जो इस समय जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर हैं। उन्होंने कहा, इस तरह से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जा सकता है, जिसके आतंकी हमले में भारत की ही जमीन पर 28 लोग मारे गए है।

वरिष्ठ वकील एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे एक सुनियोजित साजिश रच कर किया गया क्रूर कृत्य बताया। उन्होंने भारत सरकार से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह मुद्दा उठाने और विश्वस्त उत्तरदायित्व तय करने के लिए जोर देने की बात कही।

सिब्बल ने कहा कि पाकिस्तान को औपचारिक रूप से आतंकवादी राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए और जिन्होंने ये हत्याएं की है, उन पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। आई.डब्ल्यु.टी. पर 1960 में हस्ताक्षर हुए थे और विश्व बैंक ने यह संधि करवाई थी। आई.डब्ल्यु.टी. को दो शत्रु पड़ौसी राष्ट्रों के बीच परस्पर सहयोग की नायाब मिसाल माना जाता है। सवाल यह नहीं है कि संधि को निलम्बित किया जाना चाहिए, बल्कि यह है कि क्या ऐसा करना सार्थक और रणनीतिक रूप से बुद्धिमानी भरा कदम होगा।

तीन बड़े युद्धों और कई दशकों की शत्रुता के बाद भी यह संधि कायम रही, क्योंकि दोनों देश की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी अहम भूमिका है। इसके तहत रावी, व्यास और सतलुज जैसे पूर्वी नदियों पर भारत का नियंत्रण है और सिंधु, झेलम और चनाब जैसी पश्चिमी नदियों पर पाकिस्तान का नियंत्रण है, भारत को इन नदियों के पानी के सीमित उपयोग की अनुमति है।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर भारत ने एक तरफा निर्णय कर इस संधि को खत्म कर दिया तो नियमों का पालन करने वाले कानून परस्त देश के रूप में भारत की छवि को भारी धक्का लगेगा और क्षेत्रीय जल विवाद में गलत मिसाल बनेगी।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो आई.डब्ल्यु.टी. को निलम्बित करने से भारत को कोई तत्कालिक लाभ नहीं मिलेगा। पानी रोकने या उसका प्रवाह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर के 32 लोग पहलगाम में फंसे

जैसलमेर, 23 अप्रेल (नि.सं.)। जैसलमेर से कश्मीर वैली गए बड़ी संख्या में सैलानी अपने परिवार के साथ पहलगाम के होटल में फंसे हुए हैं। पहलगाम प्रशासन द्वारा सभी होटल संचालकों को फिलहाल अगले आदेशों तक किसी भी सैलानी को होटल से चेकआउट करने पर अंतरिम रोक लगाई है, इसके कारण ये सैलानी होटल में ही

- प्रशासन ने अगले आदेशों तक सभी होटल संचालकों को किसी भी सैलानी को ''चैक आउट'' नहीं करने देने के लिये कहा है।

रुकने को मजबूर हैं।

जैसलमेर में व्यापार करने वाले विपुल भाटिया पुत्र विमल भाटिया के परिवार के 4 लोगों सहित, उनकी मित्र मंडली के करीब 32 लोग अपने बच्चों सहित पहलगाम के एक होटल में दहशत के साए में हैं। आतंकी हमले के दौरान भी वे पहलगाम में ही थे। अब हमले के बाद से किसी को होटल से चेकआउट नहीं मिल रहा है। अर्पण व हितेश भाटिया के परिवार भी 32 लोगों में शामिल है।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर से भारी समर्थन मिला

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कठोर फैसले लिए प्र.मंत्री मोदी ने

- भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत प्राप्त वीज़ा रियायत रद्द कर दी।
- भारत में मौजूद सभी पाक नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया।
- अटारी वाघा चैक पोस्ट बंद। वैध तरीके से आए लोग एक मई तक लौट सकते हैं।
- पाक उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौ सेना व वायु सेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया। एक सप्ताह में देश छोड़ने के आदेश दिए।
- पाक उच्चायोग में अब 50 की बजाय 30 लोग ही रह सकेंगे।

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। कश्मीर की पहलगाम घाटी में पर्यटकों पर हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। लेकिन भारत के हाथ कुछ हद तक बंधे हुए हैं, क्योंकि भारत पहले ही कह चुका है कि ''यह युद्ध का युग नहीं है। यह कूटनीति और संवाद का युग है।''

तथापि, अगर भारत कोई सैन्य कार्रवाई करता है, तो आज की तारीख में वैश्विक कूटनीतिक माहौल उसके साथ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रुप से भारत का समर्थन किया, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन, रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यहां तक कि, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी भारत के पक्ष में रुख अपनाया। इज़रायल ने भी भारत के प्रति जोरदार समर्थन व्यक्त किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने भी भारत का समर्थन किया है और पूरी तरह से उसके साथ खड़े हुए हैं।

इस समय पाकिस्तान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई, अब कहीं अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन वाले वातावरण में की जा सकती है।

ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता में बैठे लोग यह सोच कर आश्वस्त थे कि कश्मीर और घाटी अब धीरे-धीरे एक सामान्य स्थान बन रही है, जहाँ लोग रोजमर्रा की तरह घूम सकते हैं।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद, कश्मीर तेजी से स्थिरता की ओर लौट रहा था और आम जनजीवन ऐसा बनता जा रहा था, जिसे दुनिया के अन्य हिस्सों में ''सामान्य'' कहा जाता है।

पर्यटन, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तेजी से बढ़ रहा था और इस वर्ष पर्यटकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना थी। इसका अर्थ था कि आम कश्मीरियों की समृद्धि बढ़ रही थी, आय बढ़ रही थी और अन्य आर्थिक गतिविधियां भी गति पकड़ रही थीं। इस आतंकी हमले ने, सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आतंकवाद के खिलाफ हम सब सरकार के साथ हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केन्द्रीय सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करते हुए कहा

- सूत्रों से पता चला है कि केन्द्र सरकार गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुला सकती है, जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। पहलगाम आतंकी हमले को भारत की एकता और अखंडता पर सीधा हमला बताते हुये, कांग्रेस ने बुधवार को केन्द्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना को लेकर एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई जाये। कांग्रेस ने जोर देते हुये कहा कि यह सामूहिक संकल्प का समय है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक के बेंगलुरु में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''यह समय पक्षपातपूर्ण राजनीति का नहीं है। यह क्षण उन लोगों के लिये न्याय सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प का क्षण है। यह क्षण इस आतंकी हमले को अंजाम देने वाले अपराधियों को कटघरे में खड़ा करने का क्षण है ताकि इस हमले में मरने वालों तथा उनके दुखी परिवारों के प्रति न्याय हो सके।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि यह भारत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''पूरा राष्ट्र स्तब्ध है। एक पाकिस्तानी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हमें इसका माकूल जवाब देना होगा। हम सब एक हैं और (एकजुट होकर) संघर्ष करेंगे। बिना कुछ किये, बिना समुचित प्रबंध तथा बिना ऊँगली उठाये, कोई दावे नहीं किये जाने चाहिये।''

उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हम सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि पूरी जानकारी प्राप्त होने तथा आवश्यक कार्यवाही करने से पहले सभी राजनैतिक दलों से विचार-विमर्श किया जाये, ताकि सर्वसम्मत भावना के साथ आतंकवाद की चुनौती का सामना किया जा सके। सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये तथा सलाह-मशविरा करना चाहिये। यह राजनीति नहीं है तथा नहीं चाहते कि इस स्थिति में राजनीति हो।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2000 के चित्तीसिंहपुरा के नरसंहार के बाद, पहलगाम हमला आतंकियों की निर्लज्ज, नृशंस एवं घृणित कोशिशों में से एक है।

कांग्रेस प्रमुख ने इस हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को लगने वाले संभावित धक्के को लेकर भी चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने सरकार से प्रभावित होने वाले लोगों की मदद का अनुरोध किया। खड़गे ने कहा, ''गर्मी की ऋतु शुरु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका पूरा सहयोग देगा- उपराष्ट्रपति वैंस

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत की यात्रा पर आये अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की भर्त्सना की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका की ओर से सभी प्रकार के सहयोग की पेशकश की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां एक्स पर आधिकारिक हैंडल पर अपने संदेश में लिखा, उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने

- वैंस से यह पेशकश प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत में की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और जम्मू कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने जान-माल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि अमेरिका इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

'कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है', क्या आतंकी हमले का पूर्व संकेत था, पाक जनरल का यह बयान

पाक जनरल के इस बयान के कुछ ही दिन बाद, पहलगाम में भीषण आतंकी हमला हुआ है

- गले की नस (जुगलर वेन) शरीर का वह अंग है, जिसे काटने से तुरंत मौत हो जाती है, तो क्या पाक जनरल यह कहना चाहते थे कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए बहुत जरुरी है?
- विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर हैं, ऐसे में आतंकी हमले को अंजाम देकर दुनिया भर में भारत की ''मजबूत राष्ट्र'' की छवि पर आघात पहुँचाने की कोशिश की जा रही है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हत्याओं के जवाब में, सरकार कूटनीतिक तथा सैन्य- दोनों ही विकल्पों पर विचार कर रही है।

इस समाचार को लिखते समय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में ''कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्यूरिटी अफेयर्स'' की मीटिंग चल रही है, जिसमें सभी संभव विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। सऊदी अरब की अपनी यात्रा को बीच में ही छोड़कर, प्रधानमंत्री आज स्वदेश आ गये तथा आने के तुरंत बाद, विभिन्न मीटिंगों में कश्मीर के सुरक्षा-परिदृश्य पर पुनर्विचार किया। गृह मंत्री अमित शाह स्थिति के पुनर्विवेचन के लिये मंगलवार को श्रीनगर चले गये थे। जहाँ संभावित सैन्य विकल्प पर चल रहे विचार-विमर्श के बारे में अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है, वहीं उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों में एनडीए सरकार के रिकॉर्ड को देखते हुए सैन्य कार्यवाही की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। वर्ष 2016 में उरी में हुये आतंकी हमलों के बाद, सरकार ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी, जबकि 2019 में हुये पुलवामा आतंकी हमले के बाद, बालाकोट स्ट्राइक की गई थी।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान-स्थित ''रैजिस्टैंस फ्रंट'', जो प्रतिबंधित पाकिस्तानी लश्कर-ए-तौयबा का शैडो-ग्रुप है, के चार आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 26 लोग मारे गये। इनमें से दो आतंकी स्थानीय बताये जा रहे हैं।

इस आतंकी हमले से चंदरोज पहले, पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने कश्मीर को जग्युलर वन (ग्रीवा शिरा) बताया था, हालाँकि, पाकिस्तान सरकार ने इस घटना में देश के लिप्त होने से इनकार किया है। लेकिन भारत सरकार का निश्चित तौर पर मानना है कि यह हमला लश्कर-ए-तोयबा द्वारा ही कराया गया है।

नैशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी की एक टीम, स्थानीय पुलिस की सहायता के लिये, पहलगाम पहुँच गई है तथा इस हमले में शामिल तीन लोगों के स्कैच तैयार कर लिये गये हैं। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब अमेरिकन उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर आये हुए हैं।

जहाँ अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी को संबल और सहानुभूति प्रेषित की है, वहीं बहुत से पश्चिमी देशों के साथ ही, सऊदी अरब ने भारत को समर्थन एवं सहयोग देने की मंशा जाहिर की तथा पहलगाम हमले की निंदा की है। आगामी दिनों में, भारत पी 5 देशों के प्रतिनिधियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम से सैलानियों को वापस लाने के लिये विशेष ट्रेन

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। उत्तर रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सैलानियों की बड़ी संख्या में वापसी के मद्देनजर माता वैष्णो देवी कटरा से नयी दिल्ली के लिए एक विशेष आरक्षित ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर रेलवे ने बुधवार को यहां एक विज्ञिप्त में बताया कि रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आज एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रेन सं. 04612 माता वैष्णो देवी कटरा-नयी दिल्ली विशेष आरक्षित रेलगाड़ी आज रात को नौ बज कर 20 मिनट पर रवाना होगी तथा मार्ग में उधमपुर, जम्मू, पठानकोट छावनी, जालंधर छावनी, ढंडारी कलां, अंबाला छावनी, कुरुक्षेत्र और पानीपत ठहरते हुए, गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे नयी दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में सात जनरल, आठ स्लीपर और तीन वातानुकूलित श्रेणी के कोच लगाये जाएंगे।

पहलगाम हमले को लेकर सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों पर सवाल उठे

- विशेषज्ञों ने पूछा, पहलगाम दक्षिण कश्मीर में काफी अंदर है और एलओसी से दूर है, वहाँ तक जाने के लिए डोडा, किश्तवाड़ व बनिहाल को पार करना पड़ता है, जहाँ कड़ी सुरक्षा है, फिर ये आतंकी वहाँ कैसे पहुँचे?
- सूत्रों का कहना है कि हमलावर, ट्रैवल एजेंट व ट्रांसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रूप में वहाँ रह रहे थे।
- घटना के बाद, सेना के तलाशी अभियान में मिले हथियारों व अन्य साजो सामान से रक्षा विशेषज्ञ चिंतित हैं कि हथियारों का इतना बड़ा ज़खीरा यहाँ कैसे पहुँचा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। हालिया वर्षों के सबसे घातक हमलों में से एक में, दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कई भारतीय और विदेशी पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे देश और विश्व में सदमे की लहर दौड़ गई है, और भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया एजेंसियों की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शीर्ष सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस हमले की क्रूरता ने मोदी सरकार को पूरी तरह हिला दिया है, जिसमें परिवार के साथ छुट्टियाँ मना रहे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। सन् 2019 में केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर के प्रशासन का नियंत्रण सीधे केन्द्रीय गृह मंत्रालय के हाथ में है, इसलिए अब इंटैलिजैंस फेलियर और खतरे के पूर्व मूल्यांकन के अभाव को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्रालय को कठोर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा विशेषज्ञ और राजनीतिक विश्लेषक इस नरसंहार की तुलना 2019 के पुलवामा आतंकी हमले से कर रहे हैं, जिसमें अर्धसैनिक बलों के 40 से अधिक जवान मारे गए थे। छह साल बीतने के बावजूद, पुलवामा हमले की कोई विस्तृत जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, जिसके कारण विवाद और अविश्वास लगातार बना हुआ है। विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार पर एक बार फिर वही गलतियाँ दोहराने का आरोप लगाया है, भारी सुरक्षा चूक, प्रतिक्रिया में देरी और पारदर्शिता की कमी।

एक वरिष्ठ खुफिया विश्लेषक ने कहा, ''यह किसी दूसरे पुलवामा से कम नहीं है। समानताएँ बेहद भयावह हैं। पुलवामा में सैनिकों को निशाना बनाया गया था, जबकि इस बार सीधे निहत्थे नागरिकों को। इसका उद्देश्य स्पष्ट है, डर पैदा करना और क्षेत्र में शांति को अस्थिर करना।''

सूत्रों का मानना है कि यह हमला बहुत ही सुनियोजित था और संभवतः आतंकवादी महीनों से क्षेत्र में रह रहे थे। माना जा रहा है कि हमलावर ट्रैवल एजेंट या ट्रांसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रुप में रह रहे थे और पर्यटकों के बीच में आसानी से घुल-मिल गए थे। हमले का पैमाना, और उन्नत आधुनिक हथियार, जिनमें एम 4 कार्बाइन ए.के. 47 राइफलें और अन्य साजो-सामान शामिल हैं, ने रक्षा विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। इतना बड़ा हथियारों का जखीरा क्षेत्र में कैसे पहुंचा, यह अब तक का सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

पहलगाम, जो दक्षिण कश्मीर में गहराई में स्थित है, एलओसी (नियंत्रण रेखा) से दूरी के कारण अपेक्षाकृत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। आतंकवादियों को वहां तक पहुँचने के लिए डोडा, किश्तवाड़ और बनिहाल जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ा होगा, जो भारतीय सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी में हैं। इससे ये चिंताएं बढ़ जाती हैं कि आतंकवादियों को स्थानीय सहयोग प्राप्त था और उन्होंने व्यापक लॉजिस्टिक प्लानिंग कर रखी थी।

सेवानिवृत सैन्य अधिकारियों ने, सरकार द्वारा पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हालिया बयानों को गंभीरता से नहीं लेने की, बात कही है। जनरल मुनीर ने एक सार्वजनिक भाषण में बलूचिस्तान में अशांति को कश्मीर मुद्दे से जोड़ा था, जो बढ़ते तनाव और संभावित सीमा पार उकसावे का संकेत था। अब विश्लेषकों का कहना है कि यह बयान आगामी हिंसा की चेतावनी हो सकता था।

इसके अलावा, पाकिस्तान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम के तीन आतंकवादियों के स्कैच जारी

श्रीनगर, 23 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में शामिल तीन संदिग्ध आतंकियों के स्केच सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को जारी किए। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं।

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो

- जाँच के अनुसार पहलगाम हमले में 5 आतंकवादी शामिल थे, जिनमें से 2 स्थानीय थे।

पाकिस्तान में मौजूद है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे।

जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावर सेना जैसी वर्दी में थे और उन्हें हमले से पहले इलाके की रेकी करने में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)